

उसे फंक्शन ने मुझे मेरे बेटे को अलग किया है मुझे मेरे बेटे को छीना है मैं भी अब उसे एक ऐसी चीज की जिसकी उसे इस वक्त सबसे ज्यादा जरूरत है उसके बिना वह कुछ नहीं है चित्र गुस्से के साथ खुद से फिर बोल पड़ती है उसे अनुराग का शरीर चाहिए ना अब उसे अनुराग का शरीर कभी वापस नहीं मिलेगा अनुराग का शरीर उसने पंचम गांव में रख तो दिया पर वह वहां से अनुराग का शरीर कभी वापस नहीं ला पाएगा और जब तक उसे अनुराग का शरीर नहीं मिलेगा वह अपने मकसद में कभी कामयाब नहीं हो पाएगा उसे बाहर नहीं जा पाएगा के साथ आगे बढ़ने लग जाती है कोठी के बाहर निकलती है और उसकी दूसरी तरफ मुंह करके खड़ी हो जाती है एक ऐसी जगह जहां से उसे पूरी ग्रेवार्ड कोठी नजर आ रही थी चित्र ग्रेवार्ड कोठी को देखते हुए कहती है उसे भगाने के अंश ने यक्षिणी को इसी ग्रेवार्ड कोठी में कैद करके रखा है ना अब भक्तों का अंश यक्षिणी के साथ ही सीख ग्रेवार्ड कोठी में बंद कर जाएगा कभी यहां से आजाद नहीं हो पाएगा तब उसे पता चलेगा किसी को कैद करने और किसी को किसी चीज से जुड़ा करने पर कैसा लगता है मुझे मेरा हर हीरा नहीं मिल पाया तो क्या हुआ अंश को भी कभी अनुराग का शरीर नहीं मिल पाएगा चित्र अपनी चाटियों का उपयोग करूंगी जो मैंने इतने दिनों में हासिल की है बनाऊंगी अगली पल्लू से याद आता है कि सप्तम चक्र के बारे में उसे कुछ ए ने बताया था जब वह पंचम गांव में गए थे पंचम गांव की शुरुआत में एक चक्र बना हुआ था जिसे उसने और उसके दोस्तों ने मिलकर तोड़ा था सोचने लग जाता है इसका मतलब है कि वह सप्तम चक्र जो मैंने और मेरे दोस्तों ने मिलकर तोड़ा था वह किसी और ने नहीं बल्कि मां ने बनाया था इस भाषण के अंश को यही ग्रेवार्ड कोठी में बांधकर रखने के लिए खुद से कहता है यह कभी नहीं होता है आयु धन्यम सर्व संपादक जैसे चित्र मंत्र पढ़कर खत्म करती है वह बोल हरे रंग में चमकने लग जाता है और धीरे धीरे हवा में उड़ने लग जाता है वह बोल हवा में उड़ते हुए ग्रेवार्ड को ठीक है एकदम शीर्ष ऊंचाई पर पहुंच जाता है और देखते ही देखे उसे बाल का आकार बड़ा होने लग जाता है आसपास जो जगह खाली थी जहां पर युग में बस की खेती की थी वहां तक फैल जाता है चारों तरफ फैल जाता है वह बोल झटका के साथ नीचे आता है और जमीन पर ही गिर जाता है बंद हो जाती है एक नॉर्मल काला बाल बन जाता है की ग्रेवार्ड कोठी को चारों तरफ से बंधा क्या हो चित्रा खुद से बात करते हुए कहती है पहले चक्र तो बड़ा दिया मैंने पर इस चक्र को सक्रिय तब करूंगी जब वह भाग 42 से ग्रेवार्ड कोठी के अंदर प्रवेश कर देगा करना कोई ग्रेवार्ड को थी के अंदर खुशी नहीं पाएगा और उसे मेरी उपस्थिति का एहसास हो जाएगा चित्र अपने कदम आगे बढ़ते हुए कहती है एक चक्र तो बना दिया बाकी के चक्र बनती है कि वो जाने से पहले एक बार वंदना से मिलने के बाद करके मुलाकात थी जिसके बारे में पागल होने का नाटक कर रही है वह पागल नहीं है और चित्र यह बात भी जानती थी की वंदना एक स्वाधीन है इसी वजह से वह बिना उसे कुछ बताएं बस कह देती है कि उसे युग की देखरेख करनी है चित्र जानती थी कि एक न एक दिन काला साया जरूर सबके सामने आएगा यह नियति में लिखा जा चुका था इसलिए मुझे बात कर जाती है कि अगर जब कभी भी वह काला साया सबके सामने आए उसे वह संदेश भेज दे और संदेश कैसे भेजना है वह वंदना अच्छे से जानते थे की सीमा के पास जाती है चित्र दूसरा चक्र के बाहर बनती है ठीक है तीसरा चक्र बनाने के लिए अपने कदम आगे बढ़ने लग जाती है और वह तीसरा चक्र पंचम गांव की सीमा जब शुरू होती है उसके चारों तरफ बनती है पंचम गांव को अपने चक्र से चारों तरफ से घेर लेती है कुछ ही देर में चित्र पणजी गांव के अंदर अनुराग के पुराने घर के सामने जाकर खड़ी हो जाती है वह घर जिनके आंगन में दो बाबुल के पेड़ थे एक दूसरे से जुड़े हुए थे इस वक्त आने का इंतजार कर रही थी चारों तरफ बना देती है उसके बाद के पास बनती है जहां पर रखा हुआ था भूत के चारों तरफ बना दे दिए देखती है तो उसकी आंखें नम होने लग जाती है उसकी आंखें नम कैसे न होती अनुराग भले ही बहुत पहले मर चुका हो पर उसके दिल में अनुराग के लिए आज भी प्यार जिंदा था और इस वक्त ताबूत के अंदर जिसकी लाज रखी हुई थी वह अनुराग की थी उसके पति की पर चित्र जानती थी इस वक्त वह कमजोर नहीं पढ़ सकती थी उसे एक बहुत ही जरूरी काम को अंजाम देना था इसलिए वह अंदर ही अंदर की जाती है अपने दर्द को अपने अंदर की नफरत और बदले की आग से मार देती है उसे कमरे के अंदर आ गई थी और इस वक्त मुझे जल्द से जल्द बनाना होगा बहुत जरूरी है चित्र इस बारे में सोच रही थी कि तभी उसके दिमाग में कुछ आता है और उसे पता चल जाता है कि उसे सातवां चक्र कहां पर बनाना था चित्र लूसी की तरफ देखते हुए कहती है लुसिफर जाओ और देखो फिर मुझे संदेश भेजो कि वह काला साया ग्रेवार्ड कोठी पहुंचे या नहीं पहुंचा या फिर ग्रेवार्ड कोठी जाने की जगह फिर कोई दूसरी साजिश रचने के लिए कहीं और तो नहीं चलेगा और वहां से जाने लग जाती है लकी के वहां से जाते हैं रंग में चमकते हुए ऊपर हवा में उड़ने लग जाता है करना चाहता है ना मैं उसे मेघालय के चारों तरफ से उसे हवा में उड़ते हुए बाल की तरफ देखने लग जाती है अगली पाल भोपाल उड़ते हुए उसे कमरे से बाहर जाने लग जाता है वह बोल घर से बाहर निकलता है और ऊपर आसमान में जाकर अपने आप बड़ा होने लग जाता है वह बोल इतना बड़ा हो जाता है कि पूरे मेघालय को कर कर लेता है और नीचे आकर जमीन पर बैठ जाता है संकट का इंतजार है कहीं नहीं जा पाएगा वही जाएगा बोलते हुए खुद से कहती है चूहा अपने दिल में आ चुका है अब मुझे बस उसे चूहे का बिल हमेशा हमेशा के लिए बंद करना है फिर चूहा वहां से कभी बाहर नहीं आ पाएगा अगली बार चित्र के बाल जो खुले हुए थे वह अपने आप दो हिस्सों में बड़ते हैं और देखते ही देखते उसकी छोटी बनने लग जाती है जैसे चित्र की छोटी पूरी तरह बन जाती है वह पहले हरे रंग में चमकता है फिर उसकी पीठ पर नागिन की तरह लहराने लग जाती है चित्र की छोटी जैसे जैसे लहराते जा रही थी उसके नाखून लंबे और काले होते जा रहे थे देखते देखते और काले हो जाते हैं उसकी छोटी में होती है उसके नाखूनों में होती है और अपने उन्हें पड़ती है और मंत्र पढ़ते हुए कहती है ना जागृत स्वाहा मंत्र के खत्म होती चित्र अपनी पूरी जान लगाकर सबसे छोटी उंगली का नाखून तोड़ देती है जैसी उसका नाखून टूटता है तो सबसे पहले मेघालय के चारों तरफ जो चक्र बड़ा हुआ था वह सक्रिय हो जाता है वह हरिलाल रोशनी में चमकता है और फिर कल हो जाता है उसे चक्र को एक्टिवेट करने के लिए चित्र अपने नाखूनों की आहुति दे रही थी उन्हें अपने नाखूनों की शक्ति देकर मजबूत बना रही थी जिसे मेघालय के पास वाला चक्र होता है उसके बाद चित्र मंत्र पढ़ने जाती है और अपने नाखूनों को तोड़ते हुए चक्र को सक्रिय करते जाती है मेघालय के बाद के पास का चक्र होता है जब चित्र के उल्टे हाथ के पूरे नाखून टूट जाते हैं तो वह अपनी सीधे हाथ के नाखून की आहुति देना भी शुरू कर देती है उसे दर्द सैनी के लिए तैयार थी उसे बस कैसे भी करके सप्तम चक्र को सक्रिय करना था चित्र बांग्ला गांव के पास जो चक्र बना था उसे भी सक्रिय कर देती है अब बस सबसे पहले चक्र जो ग्रेवार्ड कोठी के पास बना हुआ था उसे बस वह सक्रिय करना बचा हुआ था चक्र के बाहर खड़ी हुई थी जैसे वह वही पर खड़े होकर इंतजार कर रही थी चित्र कि उसे चक्र को सक्रिय करने का अंदर ही रूम नंबर 666 में मौजूद था चित्र मंत्र पढ़ते हुए अपने एक और नाखून की आहुति देती है और उसे पहले चक्र को भी सक्रिय कर देती हैं सीमा के अंदर ही कैद हो चुका था पूरी आंखों के सामने जो उसके साथ नाखून टूटे हुए पड़े थे वह भी अपने आप जलते हो जाते हैं दोनों हाथ के टूटे हुए साथ नाखूनों की उंगलियों को देखते हुए खुद से कहती है आहुति में कभी खाली नहीं जाती है सप्तम चक्र हो गया है अब घबराने वाली कोई बात नहीं है वह काला साया अब कभी उसे सप्तम चक्र को नहीं तोड़ पाएगा अगर वह उसे तोड़ने की कोशिश भी करेगा तो वह नहीं जानता उसका क्या हाल होगा चित्र खुद से बात ही कर रही थी कि तभी उसकी नजर ताबूत पर जो पांच निशान बने हुए थे उसे पर जाती है और सबसे आखिर में जो पांच बार निशाना बना हुआ था उसे पर जाकर उसकी नजर लग जाती है वह नोटिस करती यक्षिणी एक आंख है यक्षिणी तेरा ख्वाब

40